HISTORY (H)

PART - 'A'

B.A - III.

PAPER - VI.

HISTORY OF INDIA (1550-1750)

UNIT - 5th. - Urban centres.

B. Crafts - ~~शिल्प~~ - कला

मुगल काल की उपर्युक्त बहुमुखी सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण भारतीय इतिहास का द्वितीय क्लासिकी युग कहा जाता है।

मुगलकालीन स्थापत्य मध्य एशिया की इस्लामी और भारतीय कला का मिश्रित रूप है जिसमें फारस मध्य एशिया, तुर्की, गुजरात बंगाल एवं जौनपुर आदि स्थानों की परंपराओं का अद्भुत मिश्रण मिलता है।

⇒ बाबर के समय में स्थापत्य कला

मुगलकालीन स्थापत्य काल की शुरुआत बाबर के समय से होती है, जिसने पानीपत के निकट काबुली-बाग में एक मस्जिद 1526 में बनवाई इसके अतिरिक्त बाबर ने रुहेलखंड में संभल की जामा

मस्जिद तथा आगरा में लोदीकिले के भीतर एक मस्जिद बनवायी। एवं ज्यामितीय विधि पर आधारित एक उद्यान आगरा में लगवाया जिसे नूर अफगान नाम दिया।

⇒ मुगलकाल मे वस्तुकला के विकास का चरण -

(i) बाबर के समय वस्तुकला -

बाबर भारतीय स्थापत्य कला को अच्छा ही समझता था इसलिए उसे आगरा व दिल्ली में भारतीय कारबनबारे गई।

बाबर ने भवनों के निर्माण के निर्माण के लिए कुस्तुनतुनिया से कारीगरों को बुलवाया। बाबर ने आगरा, अलीगढ़, सीकरी धौलपुर, बयाना ग्वालियर आदि स्थानों पर कुए, तलाब, फव्वारे आदि बनवाये। बाबर द्वारा बनवाये आज दो नवन दिखाई देते हैं।

(i) पानीपत के काबुली मस्जिद

(ii) संभल की जामा मस्जिद

ये दोनों मस्जिद 1526 ई० में बनवाई गई थी। इन मस्जिदों के कोई विशेष नमूना नहीं है।

Page No.:
Date:

⇒ हुमायूँ की वस्तु कला -

हुमायूँ का अधिकांश जीवन युद्धों व भाग-दौड़ में बीता, अतः इसे इमारते बनवाने का समय नहीं मिला फिर भी ने दीन-ए-पनाह नामक महल दिल्ली में बनवाया। शेरशाह शाह सूरी ने शायद इसे नष्ट कर दिया। हुमायूँ ने फतेहाबाद व आगरा में भी मस्जिदें बनवाई। स्थापत्य कला की एक महत्वपूर्ण कृति हुमायूँ का मकबरा है। यद्यपि इसका निर्माण अकबर के प्रारंभिक - शासन काल में हुआ परन्तु यह हुमायूँ के काल की इमारत है। यह मकबरा ईरानी और भारतीय शैलि

⇒ हुमायूँ के काल में -

हुमायूँ का अधिकांश जीवन युद्धों व भाग-दौड़ में बीता अतः इसे इमारते बनवाने का समय नहीं मिला। फिर भी हुमायूँ ने दीन-ए-पनाह नामक महल दिल्ली में बनवाया। शेरशाह सूरी ने शायद इसे नष्ट कर दिया। हुमायूँ ने फतेहाबाद व आगरा में भी मस्जिदें बनवाई। स्थापत्य कला की एक

Scanned with CamScanner

की इमारत है। यह मकबरा ईरानी और भारतीय शैलियों का मिश्रण का नमूना है। इसमें फारसी शैली का भाव भी है।

⇒ शेरशाह की व्यापक कला

शेरशाह वास्तु कला का बहुत प्रेमी थी। डा० कानूनगो के अनुसार यह प्रत्येक शहर में एक किला बनवाना चाहता था और मिट्टी की बनी हुई सरायों का पक्के मकानों में बदल कर इसे राज्य की सुरक्षा चौकियाँ बनाना चाहता था। दिल्ली का पुराना किला शेरशाह सूरी द्वारा बनवाई गई प्रसिद्ध इमारतों में शेरशाह का मकबरा भी है। बिहार के सहसराम में झील के बीच में बना हुआ यह मकबरा अपनी भव्यता, सुन्दरता और सुडौलता की दृष्टि से हिन्दू-मुस्लिम शिल्प-कला का उत्कृष्ट नमूना है। फर्गुसन ने इसे ताजमहल से भी सुन्दर बताया है।

DR. UDAY KUMAR
DR. L.K.V.D. college Rajpur.

Scanned with CamScanner